भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3381
उत्तर देने की तारीख 16.12.2024

एनएमसीएम के अंतर्गत सांस्कृतिक मानचित्रण

3381. श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आज की तिथि तक ऐसे गांवों तथा कलाकारों का ब्यौरा क्या है जिनका मानचित्रण किया गया है और 2017 में राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के शुरू होने के बाद से मूल लक्ष्य की तुलना में कितने प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया गया है;
(ख) क्या सरकार ने 2022 तक 5,000 गांवों के मानचित्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में विलंब के कारणों का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;
(घ) एमएमसीएम को आवंटित 89 करोड़ रुपए में से अब तक उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है और मानचित्रण, आउटरीच और सांस्कृतिक डेटाबेस के विकास पर व्यय की गई निधि का विवरण क्या है;
(ड.) मेरा गांव मेरी धरोहर सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है और स्थानीय समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के लिए इस डेटा का उपयोग किस प्रकार से किया गया है; और
(च) सांस्कृतिक मानचित्रण पहल की शुरुआत से इसके माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): अब तक 4.5 लाख गांवों के मानचित्रण करके मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) वेब पोर्टल (https://mgmd.gov.in/) पर अपलोड किया गया है जो 6.5 लाख गांवों के मूल लक्ष्य का 69% है।

(ख): जी नहीं। 2022 तक 5,000 गांवों का मानचित्रण करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई विलंब नहीं हुआ क्योंकि 2022 तक 5000 से अधिक गांवों का मानचित्रण किया जा चुका था।

(ग): उपरोक्त पैरा (ख) को ध्यान में रखते हुए लागू नहीं होता।

(घ): वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक एनएमसीएम द्वारा उपयोग की गई धनराशि 75.48 करोड़ रुपये है।

(ङ): एमजीएमडी पोर्टल के माध्यम से, मिशन मौखिक परंपराओं, आस्था, रीति-रिवाजों, ऐतिहासिक महत्व, कला रूपों, पारंपरिक खान-पान, प्रमुख कलाकारों, मेले और उत्सवों, पारंपरिक परिधान, आभूषणों और स्थानीय लैंडमार्क सहित अनेक प्रकार के सांस्कृतिक घटकों की श्रृंखला शामिल करता है।

एनएमसीएम, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को परिरक्षित और संवर्धित करने की ओर लक्षित है जिसके लिए संस्कृति मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) की स्थापना की है जिसे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

(च): यह लागू नहीं होता क्योंकि इसमें कारीगरों और शिल्पकारों के लिए प्रत्यक्ष लाभ का प्रावधान नहीं है।

*****